

ACHIEVEMENTS OF STUDENTS OF R. L. S. Y. COLLEGE, RANCHI IN
DIFFERENT SPORTS ACTIVITIES COVERED IN VARIOUS NEWS AND SOCIAL
MEDIA

2021-23

तीरंदाजी प्रतियोगिता में सिल्ली कॉलेज चैंपियन

प्रतिनिधि, सिल्ली

रांची विश्वविद्यालय की ओर से शनिवार को सिल्ली कॉलेज की मेजबानी में सिल्ली स्टेडियम परिसर में एकदिवसीय इंटर कॉलेज तीरंदाजी प्रतियोगिता आयोजित की गयी, जिसमें सिल्ली कॉलेज, वीमेंस कॉलेज रांची, बिरसा कॉलेज खूंटी व रामलखन सिंह यादव कॉलेज रांची के तीरंदाजों ने भाग लिया, प्रतियोगिता में सिल्ली कॉलेज की टीम ने 11 स्वर्ण पदक जीतकर लगातार पांचवीं बार ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीत लिया, उपविजेता रामलखन सिंह यादव कॉलेज रांची रहा, जिप उपाध्यक्ष खीणा चौधरी, प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, प्राचार्य डॉ मुकुंद महतो, प्रो त्रिभुवन महतो, प्रभा मेहता, थाना प्रभारी आकाशदीप, मुरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार, नंद किशोर महतो, श्यामल डे समेत अन्य अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया, इससे पूर्व



प्रतियोगिता में भाग लेती तीरंदाज.

□ रांची विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज तीरंदाजी प्रतियोगिता सम्पन्न

विधायक सुदेश कुमार महतो, रांची विवि के उप कुलसचिव डॉ मुकुंद मेहता, उप प्रमुख आरती देवी, बीडीओ पावन आशीष लकड़ा, सीओ धर्मेन्द्र कुमार दुबे आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया. कार्यक्रम में विधायक ने कहा कि सिल्ली समेत झारखंड में आर्चरी की आधारभूत संरचनाओं के विकास के

लिए हम पूरी तरह कृतसंकल्पित हैं. तीरंदाजी में व्यक्तिगत क्षमता दिखाते हुए झारखंड के तीरंदाजों ने अपना परचम लहराया है. जब देश में प्रतिस्पर्धा होगी, तो झारखंड एक नंबर पर रहे, इसका हम सब मिलकर तैयारी करें. संचालन कोच प्रकाश राम व शिशिर महतो ने किया. कार्यक्रम के सफल आयोजन में कोच करण कर्मकार, आशीष कुमार, रोहित कोइरी, कमलेश महतो, सिल्ली कॉलेज के शिक्षक, कर्मी एवं बिरसा मुंडा आर्चरी सेंटर के खिलाड़ियों ने सराहनीय योगदान दिया.



महिला जूनियर एशिया कप हॉकी

भारत पहली बार चैंपियन

फाइनल में चार बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराया



एजेसियां, काकामिगाहारा (जापान)

भारत ने रविवार को चार बार के चैंपियन दक्षिण कोरिया को 2-1 से हरा कर पहली बार महिला जूनियर हॉकी एशिया कप का खिताब जीत लिया. भारत ने 22वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अनु के गोल की बदौलत बढ़त बनायी. दक्षिण कोरिया ने हलफाई तीन मिनट बाद पाक. सिया यिओन के गोल की बदौलत स्कोर 1-1 कर दिया.

Isme se 2 players 1. mohima tete 2. Ropni Kumari R. L. S. Y college ki Student hain. aap dono ne na kabol college ki sath me jharkhand state ke sath sath pura Desh ki nam roshon ki Hani aap dono ki Bahut bahut badhai sath me pura India Team ko

विजेता भारतीय टीम में झारखंड की दीपिका महिमा और रोपनी भी

रांची. भारतीय टीम में झारखंड की दीपिका सोरेंग, महिमा टेटे व रोपनी कुमारी शामिल है. ये तीनों सिमडेगा जिले से हैं. इस मैच में दीपिका ने तीन गोल भी किये और उन्हें नाचरीन लड्डो के विनयाफ खेल गये मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला है.

दिया. भारतीय टीम ने हलफाई के बाद अंतिम क्वार्टर में बढ़त बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की. दक्षिण कोरिया जो पेनल्टी कॉर्नर के रूप में गोल करने के कई मौके मिले, लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी.

एशिया कप जीतने पर हमारे युवा चैंपियनो को बधाई. टीम में अपार दृढ़ता, प्रतिभा और टीम वर्क दिखाया है. उन्होंने हमारे देश को बहुत गौरवान्वित किया है. भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं.

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री



बारला सिस्टर्स बन गयी हैं अंतरराष्ट्रीय एथल

दिवकर सिंह

कहो हैं जब होमलैंड तो वो बड़ी से बड़ी मुश्किलें भी खते का रोना नहीं बन्ती हैं, कुछ खरी सचिंत किया है झारखंड के मुमला जिले के नवश्रीक की रहने वाली दो बहनें फ्लोरिस और आर्य किरण बरला ने, दोनों बहनें कभी अंग्रेजों में अपने लोकर अपने गांव के खेलों में केवल मीड पीकर पीटी अभ्यास करती थीं और आज के समय में इन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धियों में अपनी धमक छोड़ चुकी है, अब इनकी फावटन किस्म से लुगी हुई नहीं है, खेल के क्षेत्र में इन दोनों बहनों की अलग पहचान बन चुकी है, लेकिन बात कर फावटने के लिये इन दोनों की कोशिशों की अन्वी हो कालनी है, केवल अपने खेल और उसके पारदर्शिता की बदौलत इन दोनों बहनों ने वे मुकाम हासिल किया है.

फ्लोरेंस और आर्य ने मेकलस ले बकची प्रमोनी फावटन.

मुमला के नवश्रीक की रहने वाली वे फ्लोरेंस बहनें की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने की अन्वी अलग हो कालनी है, एक ही खेल में दोनों बहनों से अन्वय किया और अपने पारदर्शिता की बदौलत काली तक पहुंची, इनके मिर पर मिरा का खबक नहीं था और खबने के लिये भारीट खबक नहीं था और पर में जुते भी नहीं थे, नवश्रीक गांव में अपने समयों को सबकर करने के लिये दोनों बहनें खबने पर उबरड खबकद मैदान में ऐसे सरपट दौड़ती थी कि देखने वाले देखे लगे अमूर्ती टबक लेते थे, अपने समयों को पूरा करने के लिये दोनों बहनें खबने पेट ही मैदान में पीटी अभ्यास करती थी, दोनों बहनों के मिर से मिर किलियम बरला का साथ बचरन में उठ गब था, माँ गीमला नवश्रीक के खेलों में काय कर पर चलाते थी, माँ के साथ खेलों में दौड़ने वाली दोनों बहनें कभी खबनी पेट तो कभी मीड पीकर ही पहुंच जती थी और कोय बरड सालीप टोपनी की देखरेख में अन्वय करती थी.



प्रमोनी में भी वेक्टर कर ली है फ्लोरेंस बरला : झारखंड के मुमला की रहने वाली फ्लोरेंस बरला वर्ल्डमैन में कोकरो स्थित भारतीय एथलेटिक्स फेडरेशन में कोय आशु भाटिय के देखरेख में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है. इस खिलाड़ी ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धियों में मिरा बरश्रीक की बलि भी जीते. 2021 में फ्लोरेंस ने हुए कानर्ड यूनिवर्सिटी के टायल में स्वर्ण पदक जीत ख. इसके

रचना प्रामोनी : झारखंड की संस्कृति, साहित्य, इतिहास, पर्यटन, संरक्षण, व्यक्तित्व आदि पर आयोजी रचनाओं का सवाल स्वागत है. क्षेत्रीय भाषा में कविता, लघुकथा, वाग्य आदि भी भेज सकते हैं. अपनी रचना युनिवर्स में इस पते पर भेजे - ce

रांची की फ्लोरेंस ने जीते तीन पदक

खेल संवाददाता > रांची

रांची विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए झारखंड की फ्लोरेंस बारला ने बेंगलुरु में आयोजित खेले इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में पहली बार तीन पदक जीते. फ्लोरेंस ने 400 मीटर स्पर्धा में 54.82 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक जीता. इसमें जैन विवि की प्रिया मोहन ने स्वर्ण जीता. इसके अलावा 200 मीटर में 24.13 सेकेंड के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया. इस इवेंट में प्रिया मोहन ने स्वर्ण और ओलिंपियन दुती चंद ने कलिंगा विवि का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक जीता.

इसके अलावा चार गुणा 400 मीटर रिले रेस में फ्लोरेंस बारला, रिया कुमारी, विधि रावल और विशाखा सिंह की चौकड़ी ने 47.78 सेकेंड समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया. रांची विवि की प्रमारी कुलपति डॉ कामिनी कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ



रांची विवि की हॉकी टीम ने जीता कांस्य

रांची. खेले इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के हॉकी में रांची विश्वविद्यालय की टीम ने पंजाब यूनिवर्सिटी को पेनाल्टी शूटआउट में 3-2 से हरा कर कांस्य पदक जीता. रांची की ओर से प्रमिला सोरेंग, वेतन हुंगडुंग और रेशमा सोरेंग ने गोल किये. वहीं गोलकीपर अंजली बिड़िया ने पेनाल्टी शूटआउट में पंजाब यूनिवर्सिटी के तीन शॉट को रोक कर कांस्य पदक जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी.

राजकुमार शर्मा, झारखंड एथलेटिक्स प्रमारी विनोद सिंह, कोच आशु भाटिय संघ के अध्यक्ष मधुकांत पाठक, साइ सलित अन्य ने बधाई दी.